Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

Test Booklet No.

D-7309

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **200**

PAPER-III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

संस्कृत परम्परागत विषय:

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

प्रश्नपत्रम्-III

प्रश्नपत्र-III

PAPER-III

टिप्पणी : अस्य प्रश्नपत्रस्य **शतद्वयम् (200)** अङ्का: सन्ति एवम् अस्मिन् **चत्वारि (4)** खण्डानि सन्ति । अभ्यर्थिभि: एषु समाहितानां प्रश्नानामुत्तरं पृथग्विहिताविस्तृत निर्देशानुसारं देयम् ।

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

खण्डम् – I

खण्ड – I

SECTION – I

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे निम्नाङ्कितानुच्छेदमाश्रित्य **पञ्च (5)** प्रश्नाः सन्ति । प्रत्येकं प्रश्नस्योत्तरं प्रायः **त्रिंशत् (30)** शब्दैर्देयम् । प्रत्येकम्प्रश्नः **पञ्च (5)** अङ्ककोऽस्ति । **(5 × 5 = 25 अंङ्काः)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Note : This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and carries **five (5)** marks. **(5 × 5 = 25 Marks)**

अस्त्ययोध्यायां पुरि चूडामणिर्नाम कश्चिद्धनार्थी । तेन महता कायक्लेशेन भगवांश्चन्द्रार्धचूडामणिश्चिरम् आराधितः । ततः प्रक्षीणपापोऽसौ स्वप्ने दर्शनं दत्वा भगवतः प्रसादाद्यक्षेश्वरेणादिष्टः । यत्त्वमद्य प्रातः क्षौरं कृत्वा लगुडहस्तः सन् स्वगृहद्वारि निभृतं स्थास्यसि । ततो यमेवागतं भिक्षुकमङ्गणे पश्यसि तं निर्दयं लगुडेन हनिष्यसि । ततोऽसौ भिक्षुः सुवर्णपूर्णकलशो भविष्यति । तेन त्वया स्वेच्छया यावज्जीवं सुखिना भवितव्यम् । अनन्तरं तथानुष्ठिते तद्वृत्तम् । तच्च क्षौरकरणाय आनीतेन नापितेनालोक्यालोचितम् । अये निधिप्राप्तेः अयमुपायः । तदहमप्येवं किं न करोमि । ततः प्रभृति स नापितः प्रतिदिनं तथाविधो लगुडहस्तः प्रातः सुनिभृतं भिक्षोरागमनमपेक्षते । एकदा तेन तथा प्राप्तो भिक्षुर्लगुडेन हत्वा व्यापादितः । तस्मादपराधात् सोऽपि नापितो राजपुरुषैस्ताडितः पञ्चत्वमुपगतः ।

तदुक्तम् –

पुण्याल्लब्धं यदेकेन तन्ममापि भविष्यति ।
हत्वा भिक्षुमतो मोहान्निध्यर्थी नापितो मृतः ।।

1. चूडामणिः कथं पापान्मुक्तोऽभवत् ?

2. चूडामणि: कथं सुवर्णपूर्णकलशं लब्धवान् ?

3. नापित: कथं सुवर्णलुब्धोऽभवत् ?

4. नापितस्य युक्तिः कथमसद्युक्ति रभवत् ?

5. पुण्यं प्रतिजनभिन्नं वा न वा ?

खण्डम् – II

खण्ड – II

SECTION – II

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे **पञ्चाङ्कात्मका: (5) पञ्चदश (15)** प्रश्ना: सन्ति । प्रत्येकं प्रश्नस्योत्तरं प्राय: **त्रिंशत् (30)** शब्दैर्देयम् । **(15 × 5 = 75 अङ्का:)**

नोट : इस खंड में **पाँच-पाँच (5-5)** अंकों के **पंद्रह (15)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । **(15 × 5 = 75 अंक)**

Note : This section contains **fifteen (15)** questions, each to be answered in about **(30)** words. Each question carries **five (5)** marks. **(15 × 5 = 75 Marks)**

6. नामकरणमुहूर्तस्य सविस्तरं चर्चा विधेया ।

नामकरण मुहूर्त की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए ।

Discuss in details the नामकरणमुहूर्त.

7. कालमानानि विविच्यताम् ।
कालमानों का विवेचन कीजिए ।
Explain कालमानs.

8. व्याख्यायताम् – एत्येधत्यूठ्सु ।
व्याख्या कीजिए – एत्येधत्यूठ्सु ।
Explain – एत्येधत्यूठ्सु.

9. पत्नी, युवति:

– ससूत्रं साधयत ।

– सूत्रानुसार स्थापित कीजिए ।

– Explain the formation with rules.

10. 'धर्म: न प्रत्यक्षादिगम्य:' स्पष्टीकुरुत ।

'धर्म: न प्रत्यक्षादिगम्य:' विवरण कीजिए ।

Explain the stand 'धर्म: न प्रत्यक्षादिगम्य:'.

11. ‘द्रव्याणि नवैव’ सम्यग्व्याख्यात।
‘द्रव्याणि नवैव’ पूर्णरूप से स्पष्ट कीजिए ।
Explain fully ‘द्रव्याणि नवैव’.

12. सत्कार्यवादसाधिकासु युक्तिषु द्वयं स्पष्टीकुरुत ।
सत्कार्यवाद को स्वीकार करने के पीछे किन्हीं दो युक्तियों का विवरण दें ।
Give any two arguments for accepting सत्कार्यवाद.

13. पुराणलक्षणं विमृशत ।

पुराण लक्षण का विचार कीजिए ।

Examine the definition of पुराण.

14. भाष्यकारेषु सायणाचार्यस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत ।

भाष्यकारों में सायणाचार्य का वैशिष्ट्य बताइए ।

Show the speciality of सायणाचार्य among the भाष्यकारs.

15. वेङ्कटमाधवस्य परिचयमुपस्थापयत ।

वेङ्कटमाधव का परिचय दीजिए ।

State what you know about वेङ्कटमाधव.

16. सोदाहरणं लक्षणास्वरूपमालोचयत ।

लक्षणा-स्वरूप की सोदाहरण आलोचना कीजिए ।

Discuss the nature of लक्षणा with example.

17. 'रसतामेति रत्यादिः स्थायी भावः सचेतसाम्'

– व्याख्यायताम् ।

– व्याख्या कीजिए ।

– Explain.

18. ईश्वरवादस्य परिचायकं विरचयत ।

ईश्वरवाद का परिचय दीजिए ।

Give an account of ईश्वरवाद.

19. वेदान्ताधिकारिण: लक्षणं विवृणुत ।
वेदान्त का अधिकारी कौन है ? विवरण कीजिए ।
Who is वेदान्ताधिकारी ? Elucidate.

20. विवर्तवादं विशदयत ।
विवर्तवाद को विशद कीजिए ।
Explain विवर्तवाद.

खण्डम् – III
खण्ड – III
SECTION – III

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे प्रत्येकम् ऐच्छिकवर्गः / विशेषज्ञतानुसारं **पञ्च (5)** प्रश्नाः सन्ति । अभ्यर्थिना केवलमेकमेवैच्छिकवर्गं/विशेषज्ञताम् आश्रित्य तस्मादेव पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः, प्रत्येकं प्रश्नः **(12)** द्वादशाङ्कात्मकोऽस्ति, एवं तदुत्तरं प्रायः शतद्वय म् **(200)** शब्दैः अपेक्षते । **(5 × 12 = 60 अंङ्काः)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता **से पाँच (5)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **बारह (12)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **दो सौ (200)** शब्दों में अपेक्षित है । **(5 × 12 = 60 अंक)**

Note : This section contains **five (5)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the **five** questions from it. Each question carries **twelve (12)** marks and is to be answered in about **two hundred (200)** words. **(5 × 12 = 60 Marks)**

ज्योतिषम्

21. पितामातादिकष्टज्ञानं सन्तानभावात् निर्णीत ।
पितामाता के कष्ट का ज्ञान सन्तान भाव से निर्णय करें ।
Determine the कष्टज्ञान of the parents from सन्तानभाव.

22. द्वादशभावान् निरूप्यताम् ।
द्वादश भावों का निरूपण करें ।
Explain the twelve भावs.

23. विंशोत्तरीदशायाः मीमांसा विधेया ।
विंशोत्तरीदशा की मीमांसा कीजिए ।
Discuss विंशोत्तरीदशा.

24. सन्तानोत्पत्तौ ग्रहाणां योगदानम् सूचयत ।
सन्तानोत्पत्ति में ग्रहों के योगदान सूचित करें ।
Discuss the role of the ग्रहs in the birth of children.

25. विवाहमेलापके विचारणीयान् विषयान् विवेचयत ।
विवाहमेलापक में विचारणीय विषयों का निरूपण करें ।
Discuss the issues that are to be examined in the matter of विवाहमेलापक.

OR / अथवा

सिद्धान्त ज्यौतिषम्

21. अहर्गण: निरूपणीय: ।
अहर्गणों का निरूपण करें ।
Explain अहर्गण.

22. ग्रहसाधनं विवृणुत ।
ग्रहसाधन का वर्णन करें ।
Discuss ग्रहसाधन ।

23. उदयान्तरसाधनं विवृणुत ।
उदयान्तरसाधन का वर्णन करें ।
Elaborate upon उदयान्तरसाधन.

24. सूर्यग्रहणस्यप्रक्रियां विवृणुत ।
सूर्य ग्रहण की प्रक्रिया का वर्णन करें ।
Explain the process of सूर्यग्रहण.

25. भू भ्रमणकक्षां विवृणुत ।
भूमि की भ्रमणकक्षा का वर्णन करें ।
Discuss भू भ्रमणकक्षा.

OR / अथवा

व्याकरण्

21. ध्वनिस्फोटयो: भेदं स्पष्टीकुरुत ।
ध्वनि और स्फोट में क्या भेद है, स्पष्ट कीजिए ।
Clearly explain the difference between ध्वनि and स्फोट.

22. 'सिद्धे शब्दार्थसम्बन्धे'
   – अस्य तात्पर्यं विवृणुत ।
   – इसका तात्पर्य बताइए ।
   – Bring out its implication.

23. ससूत्रं साधयत –
निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्ति सूत्रोंसहित बताइए –
Explain the formation with rules –
गोमान्, उदन्वान्, वर्णी, हास्तिकम् ।

24. णमुल्प्रत्ययस्य व्यवहार: सोदाहरणं प्रतिपाद्यताम् ।
णमुल् प्रत्यय का प्रयोग कहाँ होता है – सोदाहरण बताइए ।
Explain with examples the use of णमुल् suffix.

25. धातो: शक्ति: फले व्यापारे उभये वेति विचार्यताम् ।
धातु का वाच्यार्थ फल है या व्यापार या दोनों हैं – इसका विचार कीजिए ।
Examine whether a धातु expresses फल, व्यापार or both.

OR / अथवा

मीमांसा

21. 'वेद: अपौरुषेय:' एतद्विषये मीमांसकानां युक्ती: प्रतिपादयत ।
'वेद: अपौरुषेय:' इस विषय में मीमांसकों का युक्तिवाद बताइए ।
State the arguments of मीमांसकs in favour of the stand, 'वेद: अपौरुषेय:'.

22. 'सोमेन यजेत' इत्ययं विशिष्टविधि: कुत: ? सम्यग्व्याख्यात ।
'सोमेन यजेत' यह विशिष्टविधि क्यों है ? विशद कीजिए ।
Why is 'सोमेन यजेत' a विशिष्ट विधि ? Explain fully.

23. 'अर्थवादस्य न आनर्थक्यम्' मीमांसामत साधयत ।
'अर्थवादस्य न आनर्थक्यम्' मीमांसकमत की स्थापना कीजिए ।
Establish as per मीमांसा – 'अर्थवादस्य न आनर्थक्यम्' ।

24. अभिहितान्वयवाद: कस्याभिमत: ? अभिहितान्वयवादं सोदाहरणं निरूपयत ।
अभिहितान्वयवाद के पुरस्कर्ता कौन हैं ? अभिहितान्वयवाद का सोदाहरण निरूपण कीजिए ।
Who is the propounder of अभिहितान्वयवाद ? Explain अभिहितान्वयवाद with an example.

25. 'अपूर्व'स्वीकारे मीमांसकानां युक्ती: स्पष्टीकुरुत ।
'अपूर्व' मानने के लिए मीमांसकों ने क्या युक्तिवाद किया है ? विशद कीजिए ।
What are the arguments of मीमांसकs to accept 'अपूर्व' ? Explain fully.

OR / अथवा

नव्यन्यायः

21. 'शक्तिः सादृश्यम् इति पदार्थद्वयस्य सप्तसु पदार्थेषु एव अन्तर्भावः' । व्याख्यात ।
'शक्तिः सादृश्यम् इति पदार्थद्वयस्य सप्तसु पदार्थेषु एवं अन्तर्भावः' । व्याख्या कीजिए ।
Explain fully 'शक्ति सादृश्यम् इति पदार्थद्वयस्य सप्तसु पदार्थेषु एवं अन्तर्भावः' ।

22. 'मेरुसर्षपयोः साम्यप्रसङ्गः' – अस्य सन्दर्भः कः ? स्पष्टीकुरुत ।
'मेरुसर्षपयोः साम्यप्रसङ्गः' – इसका सन्दर्भ क्या है ? – स्पष्ट कीजिए :
What is the context of 'मेरुसर्षपयोः साम्यप्रसङ्गः' ? Explain fully.

23. 'नित्यसम्बन्धः समवायः' नव्यन्यायमतेन साधयत ।
नव्यन्यायमतानुसार स्थापना कीजिए – 'नित्यम्बन्धः समवायः' ।
Establish as per नव्यन्याय – 'नित्यसम्बन्धः समवायः' ।

24. 'प्रमाकरणं प्रमाणम्' सोदाहरणं प्रतिपादयत ।
सोदाहरण प्रतिपादन कीजिए – 'प्रमाकरणं प्रमाणम्' ।
Explain with examples – 'प्रमाकरणं प्रमाणम्' ।

25. 'पदज्ञानं तु करणं द्वारं तत्र पदार्थधीः' – सम्यग्व्याख्यात ।
विशद व्याख्या कीजिए – 'पदज्ञानं तु करणं द्वारं तत्र पदार्थधीः' ।
Explain elaborately – 'पदज्ञानं तु करणं द्वारं तत्र पदार्थधीः' ।

OR / अथवा

सांख्ययोगौ

21. प्रधानकारणवादं विवृणुत ।
प्रधानकारणवाद का विवरण कीजिए ।
Explain प्रधानकारणवाद.

22. सांख्याभिमतान् गुणान् विशदयत ।
सांख्यसम्मत गुणों का विवरण कीजिए ।
Explain the गुण as accepted by सांख्य.

23. सांख्यमतानुसारेण मोक्षं विचारयत ।
सांख्यमत के अनुसार मोक्ष का विचार कीजिए ।
Elucidate मोक्ष in accordance with सांख्य.

24. योगस्य अष्टाङ्गानि विवृणुत ।
योग के आठ अङ्गों का विवरण कीजिए ।
Explain the eight limbs of योग.

25. सम्प्रज्ञातसमाधिस्वरूपम् उपपादयत ।
सम्प्रज्ञातसमाधिस्वरूप को उपपादित कीजिए ।
Explain the nature of सम्प्रज्ञातसमाधि.

OR / अथवा

तुलनात्मकदर्शनम्

21. वेदप्रामाण्यसाधिका युक्तय आलोच्यन्ताम् ।
वेद-प्रामाण्य-साधक युक्तिवाद की आलोचना कीजिए ।
Discuss the arguments for establishing the validity of Veda.

22. विशष्टाद्वैतवादस्य परिचयो दीयताम् ।
विशिष्टाद्वैतवाद का परिचय दीजिए ।
Give an account of विशिष्टाद्वैतवाद.

23. सांख्यसम्मतं सृष्टितत्त्वमुपपाद्यताम् ।
सांख्य मतानुसार सृष्टितत्त्व की आलोचना कीजिए ।
Explain सृष्टितत्त्व as admitted by सांख्य.

24. अद्वैतवादानुसारं जगन्मिथ्यात्वमालोचयत ।
अद्वैतमत के अनुसार जगन्मिथ्यात्व का विवेचन कीजिए ।
Discuss जगन्मिथ्यात्व following the अद्वैत view.

25. जीवन्मुक्तिस्वरूपं निरूपयत ।
जीवन्मुक्ति के स्वरूप का वर्णन कीजिए ।
Explain the nature of जीवन्मुक्ति.

OR / अथवा

शुक्लयजुर्वेदः

21. शुक्लयजुर्वेदस्योपरि महीधरकृतभाष्यस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत ।
शुक्लयजुर्वेद के महीधरकृतभाष्य के वैशिष्ट्य का प्रतिपादन कीजिए ।
Discuss the speciality of महीधरभाष्य on the शुक्लयजुर्वेद.

22. शुक्लयजुर्वेदानुषङ्गेन राजनैतिकं जीवनं विवेचयत ।
शुक्लयजुर्वेद में प्रतिबिंबित राजनैतिक जीवन का विचार करें ।
Describe the political life as reflected in the शुक्लयजुर्वेद.

23. वैदिकदेवतासु वरुणदेवताया: परिचयमुपस्थापयत ।
वैदिकदेवताओं में से वरुणदेवता का परिचय दीजिए ।
Give a description of वरुण among the Vedic deities.

24. गृह्यसूत्राणामुपयोग: कुत्र भवतीति निरूपयत ।
गृह्यसूत्रों का उपयोग कहाँ होता है, निरूपण कीजिए ।
Discuss the utility of the गृह्यसूत्रs.

25. शुक्लयजुर्वेदस्य कालनिरूपणं कुरुत ।
शुक्लयजुर्वेद का काल निर्णय कीजिए ।
Determine the age of the शुक्लयजुर्वेद.

OR / अथवा

माध्ववेदान्तः

21. माध्ववेदान्तदिशा प्रमाणलक्षणं सप्रभेदं निरूपयत ।
माध्ववेदान्त की दृष्टि से प्रमाणलक्षण सप्रभेद निरूपित कीजिए ।
Explain the definition and divisions of प्रमाण according to माध्ववेदान्त.

22. माध्ववेदान्तानुसारेण जीवब्रह्मणोः भेदं निरूपयत ।
माध्ववेदान्त के अनुसार जीवब्रह्मभेद का विचार कीजिए ।
Explain the difference between जीव and ब्रह्म according to माध्ववेदान्त.

23. 'अहं ब्रह्मास्मि' इति वाक्यस्यार्थं माध्वदिशा विचारयत ।
'अहं ब्रह्मास्मि' – इस वाक्य के अर्थ पर माध्वदृष्टि से विचार कीजिए ।
Explain the meaning to the sentence 'अहं ब्रह्मास्मि' according to मध्व.

24. माध्ववेदान्तानुसारेण अनिर्वचनीयख्यातिं निरूपयत ।
माध्ववेदान्त के अनुसार अनिर्वचनीयख्याति का निरूपण कीजिए ।
Explain अनिर्वचनीयख्याति according to माध्ववेदान्त.

25. द्वैतवेदान्तदिशा नारायणस्य सर्वोत्तमत्वं स्थापयत ।
द्वैतवेदान्त की दृष्टि से नारायण का सर्वोत्तमत्व स्थापित कीजिए ।
Establish the सर्वोत्तमत्व of नारायण according to द्वैतवेदान्त.

OR / अथवा

धर्मशास्त्रम्

21. गृहस्थधर्मान् निरूपयत ।
गृहस्थधर्म का निरूपण कीजिए ।
Discuss the duties of a गृहस्थ.

22. अशौचभेदान् प्रतिपादयत ।
अशौच के भेद प्रतिपादन करें ।
Explain the different types of अशौच.

23. सुरापानप्रायश्चित्तं लिखत ।
सुरापानप्रायश्चित्त लिखिए ।
Discuss the प्रायश्चित्त for सुरापान.

24. स्त्रीधर्मान् यथाशास्त्रं प्रतिपादयत ।
स्त्रीधर्मों का यथाशास्त्र प्रतिपादन करें ।
Explain स्त्रीधर्मs as per शास्त्र.

25. राज्ञः कर्त्तव्यानि प्रतिपादयत ।
राजा के कर्त्तव्यों का प्रतिपादन करें ।
Discuss the duties of a king.

OR / अथवा

साहित्यम्

21. ध्वनिलक्षणं विचारयत ।
ध्वनिलक्षण का विचार कीजिए ।
Examine the definition of ध्वनि.

22. 'वक्रोक्तिः काव्यजीवितमिति' – विमृशत ।
वक्रोक्ति काव्य का जीवन है – विचार कीजिए ।
Discuss the view that वक्रोक्ति is the soul of काव्य.

23. लक्षणायाः भेदान् प्रतिपादयत ।
लक्षणा के भेदों का प्रतिपादन कीजिए ।
Describe the divisions of लक्षणा.

24. मम्मटोक्तदिशा काव्यप्रयोजनानि प्रतिपादयत ।
मम्मट के अनुसार काव्य के प्रयोजनों का प्रतिपादन कीजिए ।
Discuss the प्रयोजनs of काव्य according to मम्मट.

25. रसस्वरूपं सविस्तरं निरूपयत ।
रसस्वरूप का विस्तारपूर्वक निरूपण कीजिए ।
Discuss the nature of रस.

OR / अथवा

पुराणेतिहासौ

21. मार्कण्डेयपुराणस्य महत्त्वं प्रतिपादयत ।
मार्कण्डेय पुराण का महत्त्व विशद कीजिए ।
Explain the importance of the मार्कण्डेयपुराण.

22. पुराणोक्तसृष्टितत्त्वस्य विवरणं दीयताम् ।
पुराणोक्त सृष्टितत्त्व का विवरण दीजिए ।
Give an account of सृष्टितत्त्व as found in पुराण.

23. संन्यासिकर्त्तव्यानि सम्यगालोचयत ।
संन्यासी के कर्त्तव्यों की आलोचना कीजिए ।
Discuss the duties of a संन्यासिन्.

24. वामनावतारस्य स्वरूपं महत्त्वं च प्रतिपादयत ।
वामनावतार का स्वरूप तथा महत्त्व बताइये ।
Discuss the nature and importance of वामनावतार.

25. पुराणानुसारं नारायणस्वरूपमुपवर्ण्यताम् ।
पुराणानुसार नारायण का स्वरूप विशद कीजिए ।
Describe the nature of नारायण according to पुराण.

OR / अथवा

आगम:

21. शक्तेर्लक्षणं स्वरूपं च लिखत ।
शक्ति के लक्षण और स्वरूप का विवरण कीजिए ।
Explain the definition and nature of शक्ति.

22. शिवस्वरूपं विशदयत ।
शिवस्वरूप की विशद व्याख्या कीजिए ।
Fully explain the nature of शिव.

23. मोक्षस्य स्वरूपं विवृणुत ।
मोक्ष के स्वरूप का वर्णन कीजिए ।
Discuss the nature of मोक्ष.

24. बुद्धितत्त्वं व्याख्यात ।
बुद्धितत्त्व की व्याख्या कीजिए ।
Explain बुद्धितत्त्व.

25. आगमोत्पत्तिकथां लिखत ।
आगमोत्पत्ति की कथा लिखिए ।
Write the story about the origin आगम.

OR / अथवा

अद्वैतवेदान्त:

21. अद्वैतमतानुसारेण जीवब्रह्मणोश्भेदं निरूपयत ।
अद्वैतवेदान्त के अनुसार जीव और ब्रह्म के अभेद का निरूपण कीजिए ।
Explain the nondifference of जीव and ब्रह्म in accordance with अद्वैतवेदान्त.

22. अद्वैतवेदान्तमतानुसारेण जगत: मिथ्यात्वं स्थापयत ।
अद्वैतवेदान्तमत के अनुसार जगत का मिथ्यात्व स्थापित कीजिए ।
Establish the मिथ्यात्व of जगत् according to अद्वैतवेदान्त.

23. अद्वैतवेदान्तानुसारेण मायाया: स्वरूपं विशदयत ।
अद्वैतवेदान्त के अनुसार माया का स्वरूप विशद कीजिए ।
Explain the nature of माया according to अद्वैतवेदान्त.

24. प्रस्थानत्रयाश्रितत्वमद्वैतवेदान्तस्य स्थापयत ।
अद्वैतवेदान्त का प्रस्थानत्रयाश्रितत्व स्थापित कीजिए ।
Establish the reliance on प्रस्थानत्रय of अद्वैतवेदान्त.

25. अद्वैतवेदान्तानुरोधेन तत्त्वमसिमहावाक्यं निरूपयत ।
अद्वैतवेदान्त के अनुसार तत्त्वमसिमहावाक्य का निरूपण कीजिए ।
Explain तत्त्वमसिमहावाक्य in accordance with अद्वैतवेदान्त.

खण्डम् – IV

खण्ड – IV

SECTION – IV

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे चत्वारिंशदङ्कात्मक: **(40)** निबन्धश्रेणीक: एक: प्रश्नोऽस्ति, यस्योत्तरं निम्नविषयाणां केवलम् एकस्मिन् प्राय: **सहस्रमितै: (1000)** शब्दैरपेक्ष्यते । **(1 × 40 = 40 अङ्का:)**

नोट : इस खण्ड में एक **चालीस (40)** अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल **एक** पर, लगभग **एक हजार (1000)** शब्दों में अपेक्षित है । **(1 × 40 = 40 अंक)**

Note : This section consists of one essay type question of **forty (40)** marks to be answered in about **one thousand (1000)** words on any **one** of the following topics. **(1 × 40 = 40 Marks)**

26. संस्कृतभाषया कमप्येकं विषयमाश्रित्य निबन्धो लेखनीय:–

(क) गतानुगतिको लोक: ।

(ख) मानवसंस्कृति: ।

(ग) विद्ययामृतमश्नुते ।

(घ) व्यासोच्छिष्टं जगत्सर्वम् ।

(ङ) अहिंसा परमो धर्म: ।

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....